

陈鹤良

善斋花卉印谱

陈鹤良印谱
广东人民出版社

陈善群

善齋書畫印譜

廣東省出版集團
廣東人民出版社
·廣州·

图书在版编目 (CIP) 数据

善斋花卉印谱 / 陈善群. — 广州: 广东人民出版社,
2008. 7

ISBN 978 - 7 - 218 - 05699 - 9

I. 善... II. 陈... III. 篆刻 - 中国 - 现代
IV. J821

中国版本图书馆 CIP 数据核字 (2007) 第 018569 号

| | |
|------|-----------------------------------|
| 封面题字 | 董百振 |
| 责任编辑 | 卢雪华 |
| 装帧设计 | 张力平 陈小丹 |
| 责任技编 | 周 杰 |
| 出版发行 | 广东人民出版社 |
| 印 刷 | 佛山市浩文彩色印刷有限公司 |
| 开 本 | 889 毫米 × 1194 毫米 1/32 |
| 插 页 | 2 |
| 印 张 | 9. 875 |
| 字 数 | 100 千字 |
| 版 次 | 2008 年 7 月第 1 版 2008 年 7 月第 1 次印刷 |
| 书 号 | ISBN 978 - 7 - 218 - 05699 - 9 |
| 定 价 | 26. 00 元 |

如果发现印装质量问题,影响阅读,请与出版社(020-83795749)联系调换。

【出版社网址: <http://www.gdpph.com> 电子邮箱: sales@gdpph.com

图书营销中心: 020-37579604 37579695】

善齋書畫印譜

董百振題





陈善群 字省吾，号怡龙，别署白云山人、瘦竹

轩主，书斋名颐园、都屋、善斋等。江苏无锡

人。1940年生，1962年毕业于上海交通大学大

学。性喜金石文字，尤工篆刻。印宗秦汉古玺，

师法西泠浙派，又涉猎诸家；印风崇尚端庄质

朴，淡雅古秀。时有作品在报刊发表，1988年

获得全国首届「鲁艺杯」书画大赛银奖。被授予

「中国书画艺术名人」荣誉称号。作品入编《世

界传世名画法书鉴赏》、《当代书画名家精品》等

多种典集。现为船舶神剑艺术学会广州分会副主

席、《中国船舶报》广州记者站站长、北方书画

院副院长。

人间巧艺夺天工（代序）

杨柳

『人间巧艺夺天工』，这是元朝赵孟頫的《赠放烟花者》的句子。在中国，能把广博深厚的文化和民族文化精神，凝聚于方寸之间的，唯有篆刻艺术。篆刻是书法、绘画、镌刻的综合艺术，而其发展又分为各种门类，如印谱。优秀的印谱也是『夺天工』之作。

中国自古以来都有辑汇印谱的传统，最早的宋代杨克有《集古印格》一卷，姜夔有《集古印谱》，到元代赵孟頫为了匡正取巧风气，摹辑《印史》二卷。明中叶，印谱汇集成风，《集古印谱》、《古印选》等，也无非是从形式上选取精品。到清代，有人从内容上下工夫，斋庵、诗词、官位、学位、吉语、收藏、图案等，都可以篆刻为印，最有名的陈介祺《十钟山房印举》，达191册，收入10084方，至今仍有很大影响。到近代，许多人继续发扬光大，如赵之谦、吴昌硕、齐白石，都在印谱的制作上大放光芒。

广州的老人陈善群，从1966年起，在那全国掀起革命大批判的热流中，竟然能处在清静的家中，

善斋花卉印谱

二

『两耳不闻窗外事，一心只持印谱刀』，这是何等的洒脱。

其实，陈善群不是桃源中人，他也有布衣年华。生在上海长在上海，初中毕业想报考浙江美术专科学校，母亲不同意——两个哥哥都考上了清华，希望老三也能读工科，甚至藏起了准考证。无奈，后读了上海交通大学。1962年，22岁的年轻人来到广州造船厂工作。

1968年前，陈善群偶尔拿起刻刀刻同事的名字，本属个人爱好，直到辗转听到一些书画家在『文革』中的遭遇，他不是害怕，反而体察到传统文化的危机，于是，电机工程系出身的工科男生，开始研究起篆刻艺术来。

朋友送的《吴昌硕篆刻选集》，拓宽了他的眼界。他被篆刻的世界深深吸引着，业余时间竟一头扎了进去，方寸之间默默耕耘。多年过去了，当年工友给他订做的一副印床，已布满了道道刀痕，缕缕银丝也悄悄爬上陈老的头发，缘于当初的一阵心灵触动，陈善群与篆刻结下的不解缘分在无声无息的岁月中延续着。

不足十平方米的简陋工作间，名曰『善斋』。书架上码得整整齐齐的是一排排印章，拇指般大小，规整地排列在一个个塑料盒里。几个落地书柜里摆放着全是与篆刻有关的书，有几本工具书已被翻得页角都卷起了。

陈善群刻章总是站着，他却很享受这种过程：「世界上最幸福的人，除了堆沙子的小孩，给孩子洗澡的母亲，就应该算我这种欣赏自己篆刻作品的人了吧？」

陈善群的花卉印章，最初在《羊城晚报·晚会》版刊出，受到读者关注，竟激发了他「搜尽百花」的创作冲动，至今已达204种。他承袭晚清印谱重视内容的传统，别出心裁编这本《善斋花卉印谱》。这本花卉印谱，每一枚花卉印章的旁边，都标明该花所属的科、目、生长地、特性、功效等简要信息，并配以摘录古人咏该花的诗歌。如「九华」二字的章，原来是菊花的别称，以密疏相间的大篆刻来，竟可见诗中「粉蝶轻薄休沾蕊，一枕黄花夜夜香」的意境。这些，对一位学理工科的老人来说，竟是多少心思啊！从世界科技史看，许多自然科学家偏偏对艺术有特殊的偏好，不说爱因斯坦是个出色的小提琴手，最近美国获诺贝尔奖的三位科学家都能弹一手美妙的钢琴，我国的杨振宁，当年报考西南联大，竟然能背出全部的《诗经》。这在某种程度上说明，什么才是全面发展，也许和拿诺贝尔有着某种联系呢。

正当陈善群蓄势进发时，命运又给他当头一棒，查出了癌症。

1960年9月，他做了左全肺切除手术，一边继续刻印谱，一边开始抗癌的历程。

不宜扛重物上楼，订了福建寿山的石头寄过来时，都是他的太太程阿姨从邮局扛回家，十几年如一

善斋花卉印谱

四

日。就靠这份从容、乐观、淡泊的心境，他曾先后获得20多次全国比赛金奖，经常收到全国书画赛的邀稿信函。对此，他都尽力满足，报酬从来不是考虑的因素。因为，从未把篆刻当作营利的事。当人们从印谱上看到林林总总的花卉名称时，细细读着三言两语花卉的知识，以及朗读起古人关于这种花的诗句时，相信立刻会进入其中恬静、平和的状态，激发轻松、和谐的心境。

『能够专心、尽心地去做自己兴趣所在的事，有时难免辛苦，总是一种享受；能够从容地与厄运和灾难抗争的过程，有时难免悲壮，也是一种幸福。』陈善群如是说。也许，正是这种坚强、宁静的心境，使他的铁笔充满对生命的爱，充满着对生活体验的从容而不失厚重。

在一把刻刀的背后，是一位老人对生命的微笑。

二〇〇七年十二月

（作者为《羊城晚报》高级编辑）

目 录

| | | | | | | | | |
|------|-------|----|------|-------|----|-----|-------|----|
| 梅 | | 一 | 年景花 | | 一一 | 厚朴 | | 二二 |
| 春梅 | | 二 | 白雪 | | 一二 | 官柳 | | 二二 |
| 绿萼 | | 三 | 迎春 | | 一三 | 青杨 | | 二三 |
| 聖草 | | 四 | 貯金屋 | | 一四 | 红棉 | | 二四 |
| 香祖 | | 五 | 西府海棠 | | 一五 | 矢车菊 | | 二五 |
| 王者香 | | 六 | 瑞香 | | 一六 | 早荷 | | 二六 |
| 水仙 | | 七 | 露甲 | | 一七 | 桉木 | | 二七 |
| 姚女 | | 八 | 丁香 | | 一八 | 凤梨 | | 二八 |
| 凌波仙子 | | 九 | 鸡舌 | | 一九 | 沙木 | | 二九 |
| 配玄 | | 一〇 | 玉堂春 | | 二〇 | 人面桃 | | 三〇 |

善斋花卉印谱

| | | |
|-----|-----|-----|
| 嘉庆子 | 牛勒 | 文旦 |
| 果宗 | 佛见笑 | 郁金香 |
| 蜜父 | 真珠 | 白榆 |
| 甜梅 | 辛夷 | 雨师 |
| 千叶杏 | 水凉子 | 丹荔 |
| 莺桃 | 木香 | 蜜蒙 |
| 寿李 | 莱萸 | 蚕豆 |
| 杜梨 | 鸡足 | 枫香 |
| 月季 | 刺桐 | 木波罗 |
| 瘦客 | 木槲 | 山松 |
| 长生菊 | 豆蔻 | 文光果 |
| 蔷薇 | 油菜 | 槟榔 |
| 山棘 | 蓝壶 | 紫芥 |
| 四三 | 五六 | 六九 |
| 四二 | 五五 | 六八 |
| 四一 | 五四 | 六七 |
| 四〇 | 五三 | 六六 |
| 三九 | 五二 | 六五 |
| 三八 | 五一 | 六四 |
| 三七 | 五〇 | 六三 |
| 三六 | 四九 | 六二 |
| 三五 | 四八 | 六一 |
| 三四 | 四七 | 六〇 |
| 三三 | 四六 | 五九 |
| 三二 | 四五 | 五八 |
| 三一 | 四四 | 五七 |

善斋花卉印谱

| | | | | | | | | |
|------|-------|----|----|-------|----|------|-------|-----|
| 牡丹 | | 七〇 | 玉蕊 | | 八三 | 胡桃 | | 九六 |
| 国色天香 | | 七一 | 绣球 | | 八四 | 桃子 | | 九七 |
| 豆绿 | | 七二 | 雅客 | | 八五 | 龙柏 | | 九八 |
| 百两金 | | 七三 | 佛手 | | 八六 | 山枇杷 | | 九九 |
| 兔儿牡丹 | | 七四 | 甘蔗 | | 八七 | 太平花 | | 一〇〇 |
| 芍药 | | 七五 | 簷卜 | | 八八 | 八角茴香 | | 一〇一 |
| 将离 | | 七六 | 香椽 | | 八九 | 紫藤 | | 一〇二 |
| 樱花 | | 七七 | 含笑 | | 九〇 | 芸香 | | 一〇三 |
| 山石榴 | | 七八 | 玫瑰 | | 九一 | 忍冬 | | 一〇四 |
| 剪春罗 | | 七九 | 金雀 | | 九二 | 石菖蒲 | | 一〇五 |
| 海桐 | | 八〇 | 金沙 | | 九三 | 泥昌 | | 一〇六 |
| 山踯躅 | | 八一 | 地棠 | | 九四 | 白头翁 | | 一〇七 |
| 聚八仙 | | 八二 | 紫荆 | | 九五 | 鹰爪 | | 一〇八 |

善斋花卉印谱

| | | | | | | | | |
|-----|-------|-----|----|-------|-----|-----|-------|-----|
| 山丹丹 | | 一〇九 | 银杏 | | 一二二 | 虞美人 | | 一三五 |
| 三色堇 | | 一一〇 | 桑树 | | 一二三 | 金松 | | 一三六 |
| 首蓿 | | 一一一 | 石楠 | | 一二四 | 金娑罗 | | 一三七 |
| 醉蝶 | | 一二二 | 龙目 | | 一二五 | 杜鹃 | | 一三八 |
| 玉烛 | | 一二三 | 刺柏 | | 一二六 | 石竹 | | 一三九 |
| 来禽 | | 一二四 | 椶 | | 一二七 | 叶上珠 | | 一四〇 |
| 频婆 | | 一二五 | 鸾枝 | | 一二八 | 蜀葵 | | 一四一 |
| 萝藦 | | 一二六 | 白芨 | | 一二九 | 五月菊 | | 一四二 |
| 海红 | | 一二七 | 苦楝 | | 一三〇 | 佛桑 | | 一四三 |
| 木奴 | | 一二八 | 水葵 | | 一三一 | 御米 | | 一四四 |
| 木瓜 | | 一二九 | 丹若 | | 一三二 | 象壳 | | 一四五 |
| 枳壳 | | 一二〇 | 楠 | | 一三三 | 吉祥草 | | 一四六 |
| 当归 | | 一二一 | 迎夏 | | 一三四 | 石莲 | | 一四七 |

善斋花卉印谱

| | | | | | | | | |
|------|-------|-----|-----|-------|-----|-----|-------|-----|
| 胆瓶蕉 | | 一六〇 | 罗汉松 | | 一七三 | 狗牙子 | | 一八六 |
| 贝多 | | 一五九 | 盐木 | | 一七二 | 南天竺 | | 一八五 |
| 雁头 | | 一五八 | 石衣 | | 一七一 | 香蒲 | | 一八四 |
| 白云树 | | 一五七 | 相思子 | | 一七〇 | 山橙 | | 一八三 |
| 正榕 | | 一五六 | 木莲 | | 一六九 | 游龙草 | | 一八二 |
| 凌霜侯 | | 一五五 | 碧蝉 | | 一六八 | 冬青 | | 一八一 |
| 香椿 | | 一五四 | 白鲜 | | 一六七 | 鹊豆 | | 一八〇 |
| 蒲陶 | | 一五三 | 水帘 | | 一六六 | 梓桐 | | 一七九 |
| 钓兰 | | 一五二 | 百益红 | | 一六五 | 谏果 | | 一七八 |
| 南瓜 | | 一五一 | 松霞 | | 一六四 | 水菱 | | 一七七 |
| 麦冬 | | 一五〇 | 龙首 | | 一六三 | 楠豆 | | 一七六 |
| 砂糖椰子 | | 一四九 | 西瓜 | | 一六二 | 状元红 | | 一七五 |
| 甘瓜 | | 一四八 | 丁椰 | | 一六一 | 文官 | | 一七四 |

善斋花卉印谱

| | | | | | | | | |
|-----|-------|-----|-----|-------|-----|------|-------|-----|
| 却老 | | 一八七 | 天香 | | 二〇〇 | 泽兰 | | 二二三 |
| 四君子 | | 一八八 | 素馨 | | 二〇一 | 散沫 | | 二二四 |
| 甘蕉 | | 一八九 | 合欢 | | 二〇二 | 金灯 | | 二二五 |
| 万年青 | | 一九〇 | 蜀念 | | 二〇三 | 壶芦 | | 二二六 |
| 荷花 | | 一九一 | 木槿 | | 二〇四 | 杜若 | | 二二七 |
| 菡萏 | | 一九二 | 宜男 | | 二〇五 | 金榜及第 | | 二二八 |
| 芙蓉 | | 一九三 | 紫薇 | | 二〇六 | 山姜 | | 二二九 |
| 玉环 | | 一九四 | 美人蕉 | | 二〇七 | 卫红 | | 二三〇 |
| 紫鹤 | | 一九五 | 鱼子兰 | | 二〇八 | 金弹 | | 二三一 |
| 中庭 | | 一九六 | 夹竹桃 | | 二〇九 | 罗浮 | | 二二二 |
| 旋覆 | | 一九七 | 伊兰 | | 二一〇 | 旋蕃 | | 二二三 |
| 玉麝 | | 一九八 | 牵牛 | | 二一一 | 决明 | | 二二四 |
| 远客 | | 一九九 | 向日葵 | | 二一二 | 百子莲 | | 二二五 |

善斋花卉印谱

| | | | | | | | | |
|-----|-------|-----|-----|-------|-----|-----|-------|-----|
| 大丽 | | 二三八 | 秋牡丹 | | 二五一 | 黄斤 | | 二六四 |
| 仙桃 | | 二三七 | 丝瓜 | | 二五〇 | 蒹葭 | | 二六三 |
| 缅甸 | | 二三六 | 万寿菊 | | 二四九 | 汉宫秋 | | 二六二 |
| 剑兰 | | 二三五 | 朝筒 | | 二四八 | 秋海棠 | | 二六一 |
| 六月雪 | | 二三四 | 金凤 | | 二四七 | 景天 | | 二六〇 |
| 珍珠梅 | | 二三三 | 长春 | | 二四六 | 罗布麻 | | 二五九 |
| 梧桐 | | 二三二 | 凌霄 | | 二四五 | 射干 | | 二五八 |
| 女贞 | | 二三一 | 月下香 | | 二四四 | 马兰 | | 二五七 |
| 兔缕 | | 二三〇 | 白鹤仙 | | 二四三 | 吉贝 | | 二五六 |
| 白蘋 | | 二二九 | 鸡冠花 | | 二四二 | 鹿葱 | | 二五五 |
| 龙耳 | | 二二八 | 秋色 | | 二四一 | 玉树 | | 二五四 |
| 凤仙 | | 二二七 | 老年 | | 二四〇 | 秋葵 | | 二五三 |
| 红孔雀 | | 二二六 | 昙华 | | 二三九 | 山茄子 | | 二五二 |

善斋花卉印谱

| | | | | | | | | |
|-----|-------|-----|-----|-------|-----|------|-------|-----|
| 千日红 | | 二六五 | 节华 | | 二七八 | 腊梅 | | 二九一 |
| 江蕙 | | 二六六 | 冷香 | | 二七九 | 光孝菩提 | | 二九二 |
| 苦瓜 | | 二六七 | 九华 | | 二八〇 | 屈草 | | 二九三 |
| 鱼香草 | | 二六八 | 阴成 | | 二八一 | 翠竹 | | 二九四 |
| 茶兰 | | 二六九 | 傅公 | | 二八二 | 紫竹 | | 二九五 |
| 九里香 | | 二七〇 | 宝巾 | | 二八三 | 湘妃竹 | | 二九六 |
| 木犀 | | 二七一 | 拒霜 | | 二八四 | 龙孙 | | 二九七 |
| 四季桂 | | 二七二 | 茶 | | 二八五 | 松萝 | | 二九八 |
| 金粟 | | 二七三 | 金丸 | | 二八六 | 井栏边草 | | 二九九 |
| 花荵 | | 二七四 | 椰子 | | 二八七 | 灵芝 | | 三〇〇 |
| 希仙 | | 二七五 | 马蹄莲 | | 二八八 | 后记 | | 三〇一 |
| 丰本 | | 二七六 | 山茶 | | 二八九 | | | |
| 附子 | | 二七七 | 玉茗 | | 二九〇 | | | |